HD-01

December - Examination 2025
B.A. (Part-I) Examination
हिन्दी साहित्य
हिन्दी पद्य भाग–I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)
Paper : HD-01

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(i) आदिकालीन वीरगाथात्मक काव्य की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

(ii) सूफी काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों का नाम लिखिए।

(iii) 'दादू खेवट गुर मिल्या, लीये नाव चढ़ाई।' उक्त पंक्ति का भावार्थ लिखिए।

(iv) सूर के वात्सल्य वर्णन की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

(v) 'रसिकप्रिया' और 'कविप्रिया' ग्रन्थों के रचनाकार कौन हैं?

(vi) उपमा अलंकार की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

(vii) छन्द में 'गण विधान' से क्या तात्पर्य है?

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

कुट्टिल केस सुदेस पौहप रचियत पिक सद।
कमल–गंध, वयसंध, हंस गति चलत मन्द मंद।।
सेत वस्त्र सोहे सरीर नष स्वाति बुन्द जस।
भमर भंवहि भुल्लहिं, सुभाव मकरन्द बास रस।।
नयन निरिष सुष पाय सुक, यह सुदिन मुरति रचिय।
उमा प्रसाद हर हेरियत, मिलहि राज प्रथिराज जिय।।

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

दुलह श्री रधुनाथ बने, दुल्हीं सिय सुन्दर मन्दिर माहीं।
गावति गीत सबै मिलि सुन्दरि, वेद जुवा जुरि विप्र पढ़ाहीं।।
राम को रूप निहारति जानकि, कंगन के नग की परछाहीं।
यातें सबै सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारति नाहीं।।

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

कनक कनक ते सौं गुनी, मादकता अधिकाय।
या खाये बौराय है, या पाये बौराय।।
मेरी भव–बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित–दुति होइ।।

5. आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।
6. पृथ्वीराज रासो में प्रकृति चित्रण का उल्लेख कीजिए।
7. संत काव्यधारा की विशेषाओं पर प्रकाश डालिए।
8. रीतिकालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।
9. रस के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. 'सुरदास सगुण भक्ति काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि है।' इस कथन की पुष्टि कीजिए।
11. तुलसीदास के काव्य में भावपक्ष और कलापक्ष का विवेचन कीजिए।
12. बिहारी के काव्य की विशेषताओं का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
13. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –
    (क) रसखान की भक्ति भावना।
    (ख) अलंकार की परिभाषा एवं भेद।
    (ग) शब्द शक्ति
    (घ) केशवदास की रीतिकाल को देन।